PLANET NEWS INDIA

Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, सोमवार 31 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

स्कूल बंद: यूपी में भारी बारिश के बीच इन जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित, आ गया आदेश

यूपी में भारी बारिश के बीच इन जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। इसके लिए आदेश जारी कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और मौसम विभाग की चेतावनी के बीच बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए अमेठी में कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों में सोमवार, 31 अगस्त को अवकाश घोषित किया गया है। वहीं, सुल्तानपुर में भी सोमवार को भारी बारिश की आशंका जताई गई है। यहां पर भी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

अमेठी में डीएम के निर्देश पर स्कूल बंद

जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में अत्यधिक वर्षा एवं मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए जिले में बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य बोर्ड से संचालित विद्यालयों में नर्सरी से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों के लिए 31 अगस्त को अवकाश घोषित किया गया है।

FLN प्रशिक्षण रहेगा जारी

अवकाश का आदेश विद्यार्थियों के लिए है। जिले के सभी विकासखंडों में पूर्व से चल रहे एफएलएन (FLN) प्रशिक्षण निर्धारित समय के अनुसार यथावत जारी रहेंगे। संबंधित अधिकारियों और विद्यालयों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुल्तानपुर में भारी बारिश की आशंका

उधर, सुल्तानपुर में सोमवार को भारी बारिश की आशंका को लेकर प्रशासन सतर्क है। यहां भी कक्षा एक से आठ तक के बच्चों के लिए स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। खराब मौसम और बारिश को देखते हुए विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है।

बारिश को लेकर प्रशासन अलर्ट

जिलों में बारिश और मौसम की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने लोगों से मौसम को देखते हुए सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

Aligarh News: इगलास में लूट और चोरी की दो वारदातों का खुलासा, तीन लोग गिरफ्तार

थाना पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान और नकदी बरामद की है। आरोपियों को जेल भेज दिया गया। सीओ कमलेश कुमार ने बताया कि थानाध्यक्ष ईश्वर सिंह तोमर ने पुलिस बल के साथ जीतू उर्फ जितेंद्र वीर उर्फ सत्तो, मुकेश निवासी नगला चूरा और दीपक निवासी दयाल नगला थाना इगलास को रविवार की तड़के 3:45 बजे थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पूछताछ में कुबूल किया है कि 10 अगस्त को गांव फतेहपुर निवासी सेवानिवृत शिक्षक गंगा प्रसाद से 79,500 रुपये से भरा थैला छीना था। वहीं, 24 अगस्त को विक्रम सिंह निवासी गांव जैथोली के घर से चोरी की थी। यहां से घर में रखी अलमारी से 37,000 रुपये नकद, चांदी की पायल, सिक्के और चांदी की एक माला चोरी की थी। आरोपियों के पास से 98,000 रुपये नकद, दो जोड़ी चांदी की पायल, एक ई-कांटा और घटना में प्रयुक्त बाइक को पुलिस ने बरामद किया है।

सीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जीतू शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ हाथरस और आगरा समेत विभिन्न थानों में पहले से ही सात रिपोर्ट दर्ज हैं। वहीं, मुकेश और दीपक के खिलाफ भी चोरी के कई मामले दर्ज बताए गए हैं। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

अलीगढ़: राजेंद्र सिंह इंटरनेशनल स्कूल में माली की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, मिला शव, हत्या का आरोप

अंकित स्कूल में माली के रूप में कार्य करता था। आज सुबह उसका शव मिलने से स्कूल प्रशासन और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अलीगढ़ के मथुरा रोड स्थित राजेंद्र सिंह इंटरनेशनल स्कूल में एक 25 वर्षीय माली का संदिग्ध अवस्था में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान अंकित के रूप में हुई है। घटना के बाद से स्कूल परिसर और आसपास के क्षेत्र में तनाव का माहौल है। जानकारी के अनुसार, अंकित स्कूल में माली के रूप में कार्य करता था। आज सुबह उसका शव मिलने से स्कूल प्रशासन और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर अंकित की हत्या करने का सीधा आरोप लगाया है और पूरे मामले की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मौके पर पहुंची थाना सासनी गेट पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर गहनता से जांच कर रही है।

Aligarh News: सीएचसी के गेट पर लटका मिला ताला, हाथरस सांसद ने सुनीं जनसमस्याएं

हाथरस सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि ने गांव हिदरामई में महावीर सिंह की मां और भोगीपुर में भाजपा मंडल अध्यक्ष तिलक सिंह राजपूत के चचेरे भाई के निधन पर परिजनों को सांत्वना दी। इसके बाद सीएचसी रतरोई पहुंचे, जहां गेट पर ताला लटका मिला। थाना गंगीरी में जनसमस्याएं सुनते हुए उन्होंने नगला दोहरा निवासी ज्ञान सिंह के घर हुई चोरी का जल्द खुलासा करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। हिदरामई में बाबू सिंह ने नलकूप के कमरे का ताला तोड़ने की शिकायत सांसद से की। इस मौके पर पुष्पांजली राजपूत, प्रधान संगठन के अध्यक्ष सुनील कुमार आर्य, पूर्व प्रधान श्रीकृष्ण, साहब सिंह, पंकज यादव, ज्ञान सिंह राजपूत, डॉ. ओमप्रकाश, मोनू कुशवाहा, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर रोडवेज का सफर: 2.87 लाख बहनों ने की मुफ्त यात्रा, लेकिन बस के लिए तरसती रहीं बहनें, एटा रहा आगे

निशुल्क यात्रा सुविधा का सबसे अधिक लाभ एटा डिपो के यात्रियों ने उठाया। यहां से 94,135 महिलाओं और सहयात्रियों ने यात्रा की। बुद्ध विहार डिपो से 44,793 यात्रियों ने 56,54,646 रुपये, अलीगढ़ डिपो से 41,333 यात्रियों ने 56,54,979 रुपये, कासगंज डिपो से 39,366 यात्रियों ने 55,03,488 रुपये की निशुल्क यात्रा की। रक्षाबंधन पर महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा तो मिली, लेकिन बसों की कमी ने बहनों की परेशानी बढ़ा दी। बस अड्डों पर महिलाएं बच्चों और सामान के साथ घंटों बसों का इंतजार करती रहीं। बस आने पर सीट तो दूर, खड़े होने तक की जगह नहीं मिली। कई महिलाओं को धक्कामुक्की के बीच बस में चढ़ना पड़ा। बच्चों और बुजुर्गों के साथ सफर करने वाली महिलाओं को सबसे ज्यादा दिक्कत हुई यात्रियों का कहना था कि मुफ्त यात्रा की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन उसके मुताबिक बसों की व्यवस्था नहीं की गई। कई जगह हालात ऐसे रहे कि महिलाओं को धक्के खाकर बस में जगह बनानी पड़ी। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र वर्मा ने बताया कि अलीगढ़ मंडल के छह डिपो से तीन दिनों में 2,87,474 महिलाओं और उनके सहयात्रियों ने मुफ्त यात्रा की। इन यात्रियों को कुल तीन करोड़ 56 लाख छह हजार 510 रुपये मूल्य की यात्रा सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराई गई। 27 अगस्त को 29,369, 28 अगस्त को 1,14,643 और 29 अगस्त को सबसे ज्यादा 1,43,462 बहनों और उनके सहयात्रियों ने बसों से निशुल्क सफर किया।

एटा डिपो रहा सबसे आगे

निशुल्क यात्रा सुविधा का सबसे अधिक लाभ एटा डिपो के यात्रियों ने उठाया। यहां से 94,135 महिलाओं और सहयात्रियों ने यात्रा की। बुद्ध विहार डिपो से 44,793 यात्रियों ने 56,54,646 रुपये, अलीगढ़ डिपो से 41,333 यात्रियों ने 56,54,979 रुपये, कासगंज डिपो से 39,366 यात्रियों ने 55,03,488 रुपये की निशुल्क यात्रा की। हाथरस डिपो से 34,503 यात्रियों ने 44,97,793 रुपये और अतरौली डिपो से 33,344 यात्रियों ने 45,05,806 रुपये मूल्य की मुफ्त यात्रा का लाभ उठाया।

Aligarh News: उफन रही गंगा खतरे के निशान से एक मीटर नीचे

इलाहाबाद और चित्रकूट में आई बाढ़ के बाद गंगा-यमुना के जलस्तर की निगरानी बढ़ा दी गई है। नरौरा बैराज में गंगा खतरे के निशान से महज एक मीटर नीचे बह रही है। सिंचाई विभाग और प्रशासनिक टीमें लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं। अलीगढ़ में गंगा के तटीय इलाकों में कई जगह पानी ने फसलों को डूबो दिया है। धीरे-धीरे पानी गांवों की ओर बढ़ रहा है। नरौरा में बने चौ. चरण सिंह बैराज पर रविवार सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 177.65 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से लगभग एक मीटर नीचे है। यहां खतरे का निशान 178 मीटर पर दर्ज है। इस दौरान जल प्रवाह 71051 क्यूसेक दर्ज हुआ है। भीमगौड़ा बैराज हरिद्वार पर खतरे का निशान 294 मीटर पर है, पानी अब 291.85 मीटर तक पहुंच गया है। यहां जल प्रवाह 70299 क्यूसेक है। इसी तरह से यमुना पर दिल्ली में बने ओखला बैराज पर खतरे का निशान 200 मीटर पर है, पानी अब 195 मीटर तक पहुंच गया है। यहां पर जल प्रवाह 5302 क्यूसेक है। एक क्यूसेक का अर्थ प्रति सेकंड 28.317 लीटर पानी का बहाव है।

खेतों में पहुंच रहा गंगा का पानी

उफन रही गंगा का पानी सांकरा क्षेत्र के खेतों में घुस रहा है। पानी बढ़ने के कारण किसानों और पशुपालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलस्तर बढ़ने पर अतरौली तहसील प्रशासन ने गंगा पट्टी के करीब 10 किलोमीटर क्षेत्र में अलर्ट जारी करते हुए 13 गांवों के ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

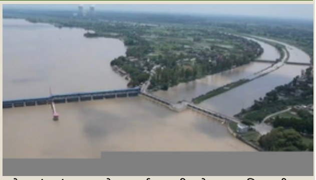

नरौरा खंड गंगा नहर के एक्सईएन प्रदीप ने बताया कि अभी तक अलीगढ़ और आसपास में गंगा और यमुना का जलस्तर सामान्य ही है। दोनों नदियों में पानी खतरे के निशान से नीचे बह रहा है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रमोद कुमार ने बताया कि अलीगढ़ में स्थिति सामान्य है। दोनों नदियों के किनारों पर पानी का बहाव सामान्य है। लगातार निगरानी कराई जा रही है। एहतियात के तौर पर सांकरा स्थित श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज में अस्थायी बाढ़ चौकी भी स्थापित की गई है। इसी बाढ़ चौकी के माध्यम से गंगा के जलस्तर पर निगरानी रखी जा रही है। ग्रामीणों से गंगा के किनारे नहीं जाने और किसी भी तरह की परेशानी होने पर प्रशासन को सूचना देने की अपील की गई है।

Aligarh News: टशन दिखाने के चक्कर में युवाओं पर पुलिस का शिकंजा

टशन का अंजाम जेल

गहलऊ और चामड़ की घटनाओं ने पुलिस को सख्त संदेश देने का मौका दिया है। वर्चस्व की लड़ाई में हथियार लहराने और फायरिंग करने वाले युवाओं पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अब ऐसे युवाओं की गतिविधियों पर भी नजर रख रही है, ताकि विवाद बढ़ने से पहले ही स्थिति नियंत्रित की जा सके।

वर्चस्व दिखाने और दूसरे गुट पर भारी पड़ने की होड़ युवाओं को अब कानून के शिकंजे में पहुंचा रही है। गहलऊ और चामड़ में पिछले दिनों हुई पथराव और फायरिंग की घटनाओं के बाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। गहलऊ के रजबहा पर 22 अगस्त को दो गुटों के बीच हुए विवाद में पुलिस ने शनिवार को अपनी ओर से पांच नामजद समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना प्रभारी मोनू कुमार आर्य ने बताया कि ग्रामीणों से पूछताछ की तो पता चला कि रजबहा पर अतुल, विकास उर्फ कलुआ, रवि पहलवान, धर्मेंद्र और मंजीत अपने साथियों के साथ आमने-सामने आ गए थे। दोनों पक्षों में गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के बाद पथराव हुआ और तमंचों से फायरिंग की गई। घटना से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस की सख्ती का असर चामड़ की घटना में भी दिखा। रक्षाबंधन पर दो गुटों के बीच पथराव और फायरिंग के मामले में पुलिस ने 11 नामजद और 20 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। अब तक 10 आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं।

Aligarh News: एक्सप्रेसवे की रफ्तार के बीच गांवों की राह हुई बेहाल

क्षेत्र के गांव राजपुर के पास ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य ने लोगों की परेशान खड़ी कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण में मिट्टी ढुलाई के लिए दौड़ रहे ओवरलोड वाहनों से राजपुर, अमरगढ़ी और चमन नगला के रास्ते बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अमरगढ़ी को जोड़ने वाले पुल की दोनों ओर की सुरक्षा दीवारें भी वाहनों की टक्कर से टूट गई हैं, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, राजपुर गांव का करीब 500 मीटर लंबा परिक्रमा मार्ग गहरे गड्ढों में तब्दील हो गया है। फतेहपुर से अमरगढ़ी तक करीब चार किलोमीटर रास्ते की हालत भी खराब है। ग्राम प्रधान जगत सिंह ने बताया है कि करीब एक वर्ष पहले परिक्रमा मार्ग सीमेंटेड बनाया था। निर्माण कार्य शुरू होने पर ओवरलोड वाहनों का विरोध किया गया था, लेकिन सड़क ठीक कराने का आश्वासन दिया गया। बारिश के बाद रास्तों पर कीचड़ जमा होने से ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों को भी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है।

स्कूल जाते समय बच्चों और खेतों पर आने-जाने वाले किसानों को खराब रास्ते के कारण काफी परेशानी हो रही है। - निसार अली।

- गांव का पूरा परिक्रमा मार्ग टूटने के बाद बारिश के मौसम में दलदल बन गया है। हम अपने वाहन गांव के बाहर खड़े करने को मजबूर हैं।- असलम चौहान।

- ओवरलोड वाहनों से सड़क खराब होने के संबंध में एनएचएआई के अधिकारियों को लिखित शिकायत दी है, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। - जगत सिंह, ग्राम प्रधान।

- मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। छह महीनों से साइट पर हमारा काम बंद है, अगर फिर भी इस तरह की समस्या है तो तत्काल उसे दिखवाकर ग्रामीणों की समस्या का समाधान कराया जाएगा- अतुल पूनिया, डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर, एनएचएआई।

स्कूल बंद: यूपी में भारी बारिश के बीच इन जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित,

यूपी में भारी बारिश के बीच इन जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। इसके लिए आदेश जारी कर दिया गया है।उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और मौसम विभाग की चेतावनी के बीच बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए अमेठी में कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों में सोमवार, 31 अगस्त को अवकाश घोषित किया गया है। वहीं, सुल्तानपुर में भी सोमवार को भारी बारिश की आशंका जताई गई है। यहां पर भी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

अमेठी में डीएम के निर्देश पर स्कूल बंद

जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में अत्यधिक वर्षा एवं मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए जिले में बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य बोर्ड से संचालित विद्यालयों में नर्सरी से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों के लिए 31 अगस्त को अवकाश घोषित किया गया है।

FLN प्रशिक्षण रहेगा जारी

अवकाश का आदेश विद्यार्थियों के लिए है। जिले के सभी विकासखंडों में पूर्व से चल रहे एफएलएन (FLN) प्रशिक्षण निर्धारित समय के अनुसार यथावत जारी रहेंगे। संबंधित अधिकारियों और विद्यालयों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुल्तानपुर में भारी बारिश की आशंका

उधर, सुल्तानपुर में सोमवार को भारी बारिश की आशंका को लेकर प्रशासन सतर्क है। यहां भी कक्षा एक से आठ तक के बच्चों के लिए स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। खराब मौसम और बारिश को देखते हुए विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है।

बारिश को लेकर प्रशासन अलर्ट

जिलों में बारिश और मौसम की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने लोगों से मौसम को देखते हुए सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

रक्षाबंधन पर रोडवेज का सफर:

2.87 लाख बहनों ने की मुफ्त यात्रा, लेकिन बस के लिए तरसती रहीं बहनें, एटा रहा आगे

निशुल्क यात्रा सुविधा का सबसे अधिक लाभ एटा डिपो के यात्रियों ने उठाया। यहां से 94,135 महिलाओं और सहयात्रियों ने यात्रा की। बुद्ध विहार डिपो से 44,793 यात्रियों ने 56,54,646 रुपये, अलीगढ़ डिपो से 41,333 यात्रियों ने 56,54,979 रुपये, कासगंज डिपो से 39,366 यात्रियों ने 55,03,488 रुपये की निशुल्क यात्रा की।रक्षाबंधन पर महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा तो मिली, लेकिन बसों की कमी ने बहनों की परेशानी बढ़ा दी। बस अड्डों पर महिलाएं बच्चों और सामान के साथ घंटों बसों का इंतजार करती रहीं। बस आने पर सीट तो दूर, खड़े होने तक की जगह नहीं मिली। कई महिलाओं को धक्कामुक्की के बीच बस में चढ़ना पड़ा। बच्चों और बुजुर्गों के साथ सफर करने वाली महिलाओं को सबसे ज्यादा दिक्कत हुई

यात्रियों का कहना था कि मुफ्त यात्रा की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन उसके मुताबिक बसों की व्यवस्था नहीं की गई। कई जगह हालात ऐसे रहे कि महिलाओं को धक्के खाकर बस में जगह बनानी पड़ी। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र वर्मा ने बताया कि अलीगढ़ मंडल के छह डिपो से तीन दिनों में 2,87,474 महिलाओं और उनके सहयात्रियों ने मुफ्त यात्रा की। इन यात्रियों को कुल तीन करोड़ 56 लाख छह हजार 510 रुपये मूल्य की यात्रा सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराई गई। 27 अगस्त को 29,369, 28 अगस्त को 1,14,643 और 29 अगस्त को सबसे ज्यादा 1,43,462 बहनों और उनके सहयात्रियों ने बसों से निशुल्क सफर किया।

एटा डिपो रहा सबसे आगे

निशुल्क यात्रा सुविधा का सबसे अधिक लाभ एटा डिपो के यात्रियों ने उठाया। यहां से 94,135 महिलाओं और सहयात्रियों ने यात्रा की। बुद्ध विहार डिपो से 44,793 यात्रियों ने 56,54,646 रुपये, अलीगढ़ डिपो से 41,333 यात्रियों ने 56,54,979 रुपये, कासगंज डिपो से 39,366 यात्रियों ने 55,03,488 रुपये की निशुल्क यात्रा की। हाथरस डिपो से 34,503 यात्रियों ने 44,97,793 रुपये और अतरौली डिपो से 33,344 यात्रियों ने 45,05,806 रुपये मूल्य की मुफ्त यात्रा का लाभ उठाया।

दो बदमाश ढेर: अंकित की पत्नी सीमा बोली-

सभी हत्यारे और साजिश करने वाले मारे जाएंगे, तभी मिलेगा संतोष

Shamli News: अंकित बालियान की हत्या में शामिल रहे दो शूटरों सुमित और मोहित को पुलिस ने सोमवार तड़के एनकाउंटर में मार गिराया। अन्य दो शूटर सत्यम और आर्यन की तलाश की जा रही है। अंकित की पत्नी सीमा बालियान का कहना है कि जो हमने खोया, वो कभी नहीं मिल सकता। मगर सभी हत्यारों को सजा मिलती चाहिए। शामली के बंतीखेड़ा गांव निवासी हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड में पुलिस ने सोनीपत के दो शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया है। सोनीपत निवासी भोलू उर्फ राहुल शाहपुरिया ने ही हत्याकांड की साजिश रची थी। वह गोगी गैंग के सरगना जितेंद्र गोगी की हत्या के बाद से ही अंकित से रंजिश रखता था। पुलिस के अनुसार, अंकित को टिल्लू गैंग का सदस्य मानकर उसके खिलाफ साजिश रची गई। अंकित की पत्नी सीमा ने बाकी दो हत्यारों और साजिश रचने वालों को भी सजा देने की मांग की है। अंकित की पत्नी सीमा ने पुलिस को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को मार गिराया है, इसके लिए वह आभार व्यक्त करती हैं। हालांकि, अभी वह पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। सीमा ने कहा कि अंकित की हत्या में शामिल सभी बदमाशों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए।

सभी आरोपियों की गिरफ्तारी या एनकाउंटर होने के बाद ही उन्हें पूरी तरह संतुष्टि मिलेगी। सीमा ने कहा कि उन्होंने अपने पति को खोया है, जिनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकती। उन्हें अब वापस नहीं लाया जा सकता। लेकिन उनके हत्यारों को सजा जरूर मिलनी चाहिए।

बदमाशों के एनकाउंटर की खबर मिलते ही मौके पर पहुंचे पिता सतबीर फौजी

मुठभेड़ में दो शूटरों के मारे जाने की सूचना के बाद अंकित के पिता सतबीर सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से मुठभेड़ और मारे गए बदमाशों के बारे में जानकारी ली। एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने उन्हें भरोसा दिलाया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों और शूटरों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरी गंभीरता से जांच कर रही है और अंकित के परिवार के साथ है।अंकित के पिता सतबीर सिंह फौजी ने कहा कि उन्हें योगी सरकार और पुलिस पर पूरा विश्वास है। मुठभेड़ में दो शूटरों के मारे जाने से उन्हें उम्मीद जगी है, लेकिन अभी आधा ही इंसाफ मिला है। हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों का एनकाउंटर होने के बाद ही उन्हें पूरा न्याय मिलेगा।

बदायूं में सड़क हादसा:

रोडवेज बस और पिकअप की भिड़ंत, 12 से अधिक लोग घायल, चार की हालत गंभीर

बदायूं के बिसौली कोतवाली क्षेत्र में दिसौलीगंज गांव के पास खजुरिया मोड़ पर सोमवार सुबह रोडवेज बस और सवारियों से भरी पिकअप की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में पिकअप सवार 12 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।बदायूं के बिसौली कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह रोडवेज बस और सवारियों से भरी पिकअप की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में 12 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया।यह दुर्घटना दिसौलीगंज गांव के पास खजुरिया मोड़ पर हुई। पिकअप में सवार सभी लोग बेहटा जवी गांव के रामचंद्र भगत के पास जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही कोतवाल कमलेश मिश्रा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को नजदीकी अस्पताल भिजवाने में मदद की। हादसे में मोरकली (प्रेमपाल की पत्नी), मोरकली (रामचंद्र की पत्नी), मीरा (हरिसिंह की पत्नी), लल्लू, रामपाल (हरनाम का पुत्र) और शिवानी (प्रेमपाल की पुत्री) सहित आसफपुर निवासी अन्य लोग घायल हुए हैं। रोडवेज बस मुरादाबाद डिपो की थी और उसमें बैठी सवारियां बदायूं आ रही थीं। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात को सुचारु कराया।

हादसे का कारण

घायलों ने बताया कि यह हादसा सड़क पर सांड़ आने और रोडवेज बस के गलत दिशा में आने के कारण हुआ। बस चालक ने सड़क पर अचानक एक सांड़ के आ जाने पर उसे बचाने के लिए बस को मोड़ा। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप से उसकी टक्कर हो गई। घायलों के अनुसार, बस की रफ्तार भी काफी तेज थी। पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है।

हादसे के बाद लगा जाम

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाल कमलेश मिश्रा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाया और यातायात को सामान्य किया।

लपटों में घिरी थी सास...बहू ने नहीं हारी हिम्मत:

नीतू का चंडी रूप देख भागे हमलावर, इस तरह बचाई वृद्धा की जान

आगरा के बाह में पड़ोसियों ने झोपड़ी पर पेट्रोल छिड़ककर सो रही महिला को जिंदा जलाने और पीटने की कोशिश की। सास की चीख सुनकर बहू ने दहकती चारपाई से उन्हें बचाया और डंडा लेकर हमलावरों को गली तक खदेड़ दिया।आगरा के चित्राहाट के रानी का बाग गांव में रविवार तड़के 4 बजे पड़ोसियों ने महिला को जिंदा जलाकर मारने की कोशिश की। झोपड़ी पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। चारपाई पर सोते समय महिला की चीख सुनकर बहू की आंख खुली तो वह सास की चारपाई से लपटें उठती देखकर चंडी बन गई। जलती चारपाई से सास को उठाकर जमीन पर लिटाने के बाद हमलावरों के पीछे डंडा लेकर दौड़ पड़ी। बहू के तेवर देखकर हमलावर भागे तो उनका गली तक पीछा करके खदेड़ा। पुलिस को सूचना देकर बुलाया। पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है।रानी का बाग की रहने वाली पुत्रवधू नीतू ने पुलिस को बताया शनिवार शाम पड़ोसी गाली-गलौज कर रहे थे। उन्हें सास सुनीता ने गाली देने से रोका था। बस यही मामूली विवाद हुआ था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि रविवार तड़के सास सुनीता अपनी झोपड़ी में सो रही थीं। तड़के 4 बजे पड़ोसी आए और झोपड़ी पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। चारपाई पर सो रही सुनीता को पीटने लगे। सास की चीख सुनकर जागी बहू नीतू की नींद खुली तो वह हमलावरों पर चंडी बनकर टूट पड़ी। उसने डंडे उठाकर हमलावरों को ललकारा। अन्य परिजन भी आ गए, जिससे हमलावर भाग गए। नीतू ने सुनीता को दहकती चारपाई से उतार कर जमीन पर लिटाया और हमलावरों का गली तक पीछा किया। नीतू ने 112 नंबर डायल कर पुलिस को जानकारी दी।

मौके पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। झुलसी हालत में सुनीता को पुलिस ने इलाज के लिए जैतपुर सीएचसी भिजवाया। पुलिस के मुताबिक तहरीर और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।सहायक पुलिस आयुक्त जितेंद्र कुमार ने बताया कि रानी का बाग में आगजनी एवं मारपीट की घटना हुई है। चित्राहाट पुलिस ने मेडिकल कराया है। मेडिकल रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

'खर्ग आईलैंड के कर दिए टुकड़े-टुकड़े': ईरान के हमले के बाद ट्रंप ने जारी किया AI वीडियो; दिखाया तबाही का मंजर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खर्ग द्वीप पर धमाकों वाला एक AI वीडियो साझा करते हुए इसे तबाही का मंजर बताया। ट्रंप ने दावा किया कि खर्ग को 'टुकड़े-टुकड़े' किया जा रहा है। हालांकि, खर्ग पर हमले की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के रणनीतिक रूप से बेहद अहम खर्ग आईलैंड को लेकर बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर खर्ग आईलैंड पर जोरदार धमाकों वाला एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि द्वीप को 'टुकड़े-टुकड़े' किया जा रहा है। ट्रंप की यह पोस्ट ईरान के एक अन्य द्वीप लारक पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद सामने आई। अमेरिकी सेना ने लारक द्वीप पर दो रॉकेट लॉन्चरों को निशाना बनाने की जानकारी दी थी। इसे जुलाई के अंत के बाद ईरान के खिलाफ अमेरिका की पहली ज्ञात सैन्य कार्रवाई बताया जा रहा है।

ट्रंप ने खर्ग आईलैंड को लेकर क्या कहा?

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'खर्ग आईलैंड के टुकड़े-टुकड़े किए जा रहे हैं।' हालांकि, उन्होंने इसके अलावा हमले को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप के पोस्ट में दिखाई गई तस्वीरों में खर्ग आईलैंड पर बड़े धमाके होते नजर आ रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो की वास्तविकता को लेकर भी सवाल उठे हैं।

क्या ट्रंप का वीडियो AI से बनाया गया है?

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप द्वारा साझा किया गया वीडियो संभवतः सिंथेटिक यानी AI से तैयार किया गया हो सकता है। AI से बदली गई तस्वीरों और वीडियो की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर के विश्लेषण में इसके कृत्रिम रूप से तैयार किए जाने की संभावना सामने आई। व्हाइट हाउस और अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से खर्ग आईलैंड पर हमले की तत्काल कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं की गई थी। ऐसे में ट्रंप के दावे और वीडियो को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

लारक पर अमेरिका ने क्या कार्रवाई की थी?

खर्ग से पहले अमेरिका ने ईरान के लारक आईलैंड पर हमला किया था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के अनुसार, इस कार्रवाई में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के दो सैन्य लॉन्च सिस्टम को निशाना बनाया गया। अमेरिकी पक्ष का दावा था कि IRGC इन लॉन्च सिस्टम की मदद से होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइंस बिछाने की तैयारी कर रहा था। ईरानी मीडिया की रिपोर्टों में दावा किया गया कि लारक पर ड्रोन से हमला हुआ और इसमें कुछ ईरानी सैनिकों तथा नागरिकों के मारे जाने या घायल होने की खबर सामने आई। लारक पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया। ईरान के IRGC के मुताबिक, जॉर्डन और कतर में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं। ईरानी पक्ष ने जॉर्डन के किंग हुसैन और अल-अजराक एयरबेस की तकनीकी सुविधाओं और लड़ाकू विमानों से जुड़ी जगहों को निशाना बनाने का दावा किया। वहीं, जॉर्डन की ओर से कई मिसाइलों को अपनी वायु रक्षा प्रणाली से रोकने की बात कही गई।

क्या अमेरिका-ईरान संघर्ष अब और बढ़ेगा?

खर्ग आईलैंड पर अमेरिकी हमले के ट्रंप के दावे से संकेत मिल रहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का दायरा बढ़ सकता है। दूसरी ओर, ईरान पहले ही अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी मिसाइल हमलों का दावा कर चुका है। अगर दोनों देशों के बीच हमले और जवाबी हमले का सिलसिला आगे बढ़ता है तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। खासकर तेल आपूर्ति, होर्मुज स्ट्रेट और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

नेपाल जलप्रलय: 188 किमी की रफ्तार...7 मिनट में ही 22 किमी क्षेत्र को तबाह कर गया सैलाब; विशेषज्ञ क्या बोले?

नेपाल जलप्रलय का आलम ये रहा कि 188 किमी की रफ्तार से महज 7 मिनट में ही 22 किमी क्षेत्र तबाह हो गया। जलवायु विशेषज्ञ के विश्लेषण के बाद नए खुलासे हुए हैं। नेपाल महाविनाश लाने वाला सैलाब करीब 188 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आया था। नेपाल के समयानुसार सुबह 8:37 बजे लेन्दे नदी के स्रोत के ऊपरी हिस्से में बर्फ, चट्टान और मलबे के साथ भूस्खलन हुआ। इसके करीब सात मिनट बाद सैलाब केरुंग पहुंच गया। स्रोत से केरुंग की दूरी करीब 22 किलोमीटर मानी गई है। इस तरह, पहाड़ से सुनामी की शक्ल में उतरा सैलाब 22 किमी की दूरी केवल सात मिनट में तय कर ली थी। इसी वजह से इसकी तुलना बुलेट ट्रेन की रफ्तार से की जा रही है। जलवायु विशेषज्ञ डॉ. उत्तम बाबू श्रेष्ठ के एक सोशल मीडिया विश्लेषण में सैलाब की रफ्तार को लेकर यह चौंकाने वाला दावा किया गया है। श्रेष्ठ ने अपने प्रारंभिक विश्लेषण में भूस्खलन के आकार और मलबे के नीचे गिरने की दूरी को आधार बनाकर इसकी गुरुत्वाकर्षण स्थितिज ऊर्जा करीब 51 किलोटन के बराबर होने का अनुमान भी साझा किया है। इसी आधार पर कुछ जगहों पर इसकी तुलना हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से की जा रही है। चीनी शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन रिपोर्ट में कहा है कि नेपाल के लांगटांग लिरुंग पर्वत के पास लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई से बुधवार सुबह एक बड़ा हिमखंड खाई में गिर गया। इसके बाद यह अपने साथ मिट्टी और चट्टानों का मलबा बहाकर ले गया। चीनी वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बाढ़ ने लगभग 7 मिनट में 22 किलोमीटर की दूरी तय की और नेपाल-चीन सीमा पर स्थित रसुवागढ़ी तक पहुंच गई। वैज्ञानिकों ने बताया कि लगभग 1,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित सीमा क्षेत्र तक पहुंचते-पहुंचते बाढ़ की गति लगभग 50 मीटर प्रति सेकंड हो गई थी।

फिर से पहले जैसा घर बनाएंगे

विनाशकारी बाढ़ ने हरे-भरे इलाकों को विरान बना दिया है। पहले जहां सबकुछ था, वहां अब केवल बर्बादी की निशानियां ही शेष रह गई हैं। ऐसे ही स्थानों में से एक है बागमती प्रांत के धार्डिंग जिले के गल्छी क्षेत्र, जहां के लोग बाढ़ से बचने के लिए सुरक्षित जगहों पर भाग गए थे। वे अब धीरे-धीरे अपने घरों को लौट रहे हैं और बचे-खुचे सामान से दोबारा जिंदगी को पटरी पर लाने की कोशिशों में जुटे हैं। लोग घरों में भरे कीचड़ और रेत निकाल रहे हैं। कक्षा 11 के छात्र नयन तिवारी और उनकी चचेरी बहन निवी तिवारी ने कहा कि वे मेहनत करेंगे और अपने घरों को फिर से पहले जैसा बनाएंगे।

बैरियर झील खाली, खतरा टला

चीन ने बताया कि ग्लेशियर टूटने के बाद ग्यिरोंग क्षेत्र में बनी बैरियर झील खाली हो गई है। इससे बड़े सैलाब का खतरा टल गया है। हालांकि नेपाल की छोछेन खोला नदी में करीब 14 लाख घन मीटर पानी अब भी जमा है। चीन में 23 देशों के 261 नागरिक लापता, इनमें 49 भारतीय... चीन ने पहली बार जानकारी दी कि तिब्बत क्षेत्र में चीन-नेपाल सीमा पर स्थित ग्यिरोंग पोर्ट पर हुए बाढ़-भूस्खलन में 23 देशों के 261 विदेशी नागरिक लापता हैं। इनमें 104 नेपाली, 49 भारतीय, 33 लातवियाई, 18 अमेरिकी और 15 ब्रिटिश नागरिक शामिल हैं।

डीआरडीओ के पूर्व प्रमुख सुरक्षित लौटे

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व प्रमुख जी. सतीश रेड्डी और उनके साथ कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर गया 31 सदस्यीय दल बहुत भाग्यशाली रहा। नेपाल में आपदा से ठीक पहले उनका दल प्रभावित इलाके को पार कर गया था।

'हिंदू पहचान का मूल विविधता का सम्मान': कनाडा में मोहन भागवत ने कहा- यह किसी भाषा या पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं

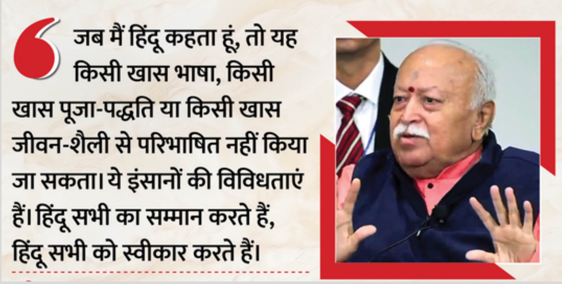

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कनाडा में हिंदू पहचान को लेकर व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि हिंदू होने का अर्थ किसी एक भाषा, धार्मिक अनुष्ठान या जीवनशैली को अपनाना नहीं है। उनके अनुसार अलग-अलग परंपराएं और सामाजिक विविधताएं मानव जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं, जबकि इनके पीछे मूल एकता मौजूद रहती है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि हिंदू पहचान को किसी खास भाषा, पूजा-पद्धति या जीवनशैली से परिभाषित नहीं किया जा सकता। उन्होंने तर्क दिया कि इसका मुख्य सिद्धांत विविधता का सम्मान और अस्तित्व की एकता को पहचानना है। ग्रेटर टोरंटो इलाके में 2,000 से ज्यादा हिंदुओं और समुदाय के शुभचिंतकों की सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि बाहरी अंतर स्वाभाविक हैं, लेकिन वे मानवता को उसकी मूल भावना में विभाजित नहीं करते। उन्होंने कहा, "जब मैं हिंदू कहता हूं, तो हिंदू शब्द को किसी खास भाषा, किसी खास पूजा-पद्धति या किसी खास जीवन-शैली से परिभाषित नहीं किया जा सकता।" भागवत ने आगे कहा, "ये सभी चीजें मौजूद हैं। ये इंसानों की विविधताएं हैं। हिंदू सभी का सम्मान करते हैं, हिंदू सभी को स्वीकार करते हैं। उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं होती।" उनकी ये बातें दुनिया को दोस्ती के साथ अपनाना थीम पर आयोजित 'हिंदू विश्व बंधु' सभा में कहीं गईं। इस कार्यक्रम में पूरे कनाडा से समुदाय और धर्म के नेता, विद्वान, पेशेवर और संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। भागवत ने कहा कि भारत की सभ्यतागत परंपराओं ने लोगों को दिखाई देने वाले अंतरों के नीचे एक साझा सिद्धांत को पहचानना सिखाया है।

आरएसएस प्रमुख के बयान की बड़ी बातें

- उन्होंने कहा, "उन्हें विविधता के भीतर छिपी एकता को देखना सिखाया गया है। इसलिए भारत में, विविधता कभी भी एकता के लिए समस्या नहीं बनती क्योंकि हमारी परंपरा हमें न केवल 'विविधता में एकता' के बारे में बताती है, बल्कि 'एकता की विविधताओं' के बारे में भी बताती है।" उन्होंने कहा कि अंतरों को स्वीकार किया जाना चाहिए, उनका सम्मान किया जाना चाहिए और उनका जश्न मनाया जाना चाहिए क्योंकि वे एक छिपी एकता की अभिव्यक्ति हैं।
- भागवत ने कहा, "हमें इस विविधता की सेवा करनी चाहिए, इसे स्वीकार करना चाहिए और इसका सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह एकता की अभिव्यक्ति है। यह उसे सुंदर बनाती है। यह सजावट की तरह है। हम इसका जश्न मनाते हैं।" उन्होंने कहा कि भारत में हमेशा से कई जातियां, धर्म, भाषाएं, परंपराएं और जीवन-शैलियां रही हैं। इसकी एकता के लिए उन अंतरों का खत्म होना जरूरी नहीं है।
- उन्होंने कहा, "कोई भी चीज अकेली नहीं है, कोई भी चीज एकल नहीं है। लेकिन सब कुछ एक है। हम यह नहीं कहते कि 'सभी एक हैं'। हम कहते हैं कि 'सब कुछ एक है'।" भागवत ने आगे कहा, "विविधता स्वाभाविक है। एकता ही वास्तविकता है।"
- उन्होंने बदलते बाहरी हालात और गहरी व निरंतर वास्तविकता के बीच अंतर बताने के लिए राजा जनक से जुड़ी एक प्राचीन कथा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मानवता अंतरों का अनुभव करती है, लेकिन एक बनी रहती है। उन्होंने कहा, "हम इन सभी चीजों का अनुभव करते हैं, लेकिन वे बदल रही हैं। वे माया हैं। ये अंतर माया हैं। हमें इनसे गुजरना होगा। हमें भौतिक रूप से इनका सामना करना होगा, इनसे निपटना होगा। लेकिन असल में, कोई अंतर नहीं है। मानवता एक है।"
- भागवत ने कहा कि इस समझ का मतलब है कि लोगों को दुनिया को 'अपना' और 'दूसरों का' मानकर नहीं बांटना चाहिए। उन्होंने कहा, "पूरी धरती एक परिवार है। सब कुछ दिव्य है, इसलिए हर चीज का सम्मान और महत्व बराबर है।" आरएसएस प्रमुख ने कहा कि एक-दूसरे के साथ मिलकर रहने की भावना से ही दूसरों की सेवा करने का भाव स्वाभाविक रूप से आता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दया की भावना सिर्फ हिंदुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इंसानों का एक स्वाभाविक गुण है।
- उन्होंने कहा, "हिंदुओं ने ऐसा किया है। इसका मतलब यह नहीं है कि इस पर सिर्फ हिंदुओं का एकाधिकार है। यह इंसानों की एक स्वाभाविक भावना है।" अपनी बात को समझाने के लिए उन्होंने पूछा कि क्या कोई व्यक्ति किसी भूखे इंसान के सामने, उसे खाना दिए बिना या मुंह फेरे बिना, आराम से भरपेट खाना खा सकता है।

भागवत ने कहा, "आप उस व्यक्ति को देखकर अपना खाना नहीं खा सकते। कोई भी ऐसा नहीं कर सकता क्योंकि हम सभी इंसान हैं और उस स्वाभाविक एकता की वजह से ही इंसानों में यह खासियत होती है।" उन्होंने कहा कि इंसानों में दूसरों को वंचित रखने और जरूरतमंदों के साथ चीजें बांटने, दोनों की क्षमता होती है। इस चुनाव को सही दिशा देने के लिए मूल्यों की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, "सिर्फ इंसान ही ऐसा कर सकते हैं। इंसान दूसरों से खाना छीन सकते हैं। इंसान भूखों को खाना खिला सकते हैं।" भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को अपने सिद्धांतों को दूसरों पर थोपने के बजाय अपने आचरण से दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, "हिंदू समाज को मिसाल पेश करनी चाहिए। हम ऐसे नेता हैं जो भीतर से नेतृत्व करते हैं और उदाहरण पेश करके आगे बढ़ते हैं।"

न्यूयॉर्क-न्यूजर्सी के परिवारों में मातम: हमेशा अंतिम यात्रा बता कैलाश जाती थीं अमिता...इस बार नहीं लौटीं

21,778 फीट ऊंचे शिव धाम पर सैलाब का पहरा, न्यूयॉर्क-न्यूजर्सी के परिवारों में मातम, टूर ऑपरेटर से बुधवार सुबह हुई थी आखिरी बार बातचीत। कैलाश पर्वत की परिक्रमा कर मोक्ष और आत्मिक शांति पाने के लिए अमेरिका के न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी से निकले भारतीय मूल के श्रद्धालुओं का एक दल नेपाल के विनाशकारी सैलाब में लापता हो गया। इनमें न्यूयॉर्क की अमिता अमीन, न्यूजर्सी की तेजल पटेल और क्वींस के बुजुर्ग दंपती नीलम व रमेश शर्मा शामिल हैं। ये सभी श्रद्धालु नेपाल के रास्ते तिब्बत स्थित 21,778 फीट ऊंचे पवित्र कैलाश पर्वत और मानसरोवर की यात्रा पर निकले थे। यात्रा का आयोजन करने वाली कंपनी चलाने वाले दीपक लामिछाने के अनुसार, यह समूह बुधवार सुबह सीमा पर था। उसी समय उनकी आखिरी बार बात हुई थी। ठीक एक घंटे बाद हिमालय की घाटियों में मलबे और पानी की भीषण दीवार टूट पड़ी। इसके बाद टूर ऑपरेटर के दामाद समेत तीनों नेपाली गाइड और तीर्थयात्री दल का कोई अता-पता नहीं है। अमिता अमीन के बेटे ध्रुव रुंधे गले से कहते हैं, जब भी मैं ईश्वर के बारे में सोचता हूं, मेरी आंखों के सामने वही पर्वत आ जाता है। मां जब भी इस दुर्गम यात्रा पर निकलती थीं, हमेशा कहती थीं कि शायद यह उनकी आखिरी यात्रा हो। ध्रुव ने 2010 में अपनी मां के साथ कैलाश यात्रा की थी। उनका परिवार अब भी यह उम्मीद लगाए बैठा है कि शायद उनकी मां और बाकी तीर्थयात्री तिब्बत सीमा के उस पार फंसे हों, जहां पुल टूटने और मोबाइल नेटवर्क ठप होने की वजह से संपर्क नहीं हो पा रहा है।

ईश्वर के करीब रहना चाहती थीं

न्यूयॉर्क की अमिता अमीन (67) के लिए यह कोई पहली यात्रा नहीं थी। यह उनका कैलाश का 7वां और इस साल का दूसरा दौरा था बहू अदिति पटेल बताती हैं, वह ईश्वर में अटूट विश्वास रखती थीं और जितना हो सके महादेव के इस पवित्र धाम के करीब रहना चाहती थीं।

6 महीने से चल रही थी तैयारी

इस बार अमिता की समधन तेजल पटेल (64) ने भी कैलाश जाने का फैसला किया। फिर श्रद्धालुओं के इस समूह ने पूरे जोश से तैयारियां शुरू कर दीं। तेजल ने छह महीने पहले से जिम जाकर खुद को फिट करना शुरू किया था ताकि कठिन चढ़ाई में दिक्कत न हो।

परिक्रमा का लिया था संकल्प

क्वींस के रहने वाले रमेश और नीलम शर्मा ने अपनी नौकरी से रिटायर होने के बाद जीवन के इस पड़ाव पर कैलाश परिक्रमा का संकल्प लिया था। उनके परिवार ने बताया कि साठ की उम्र के इस जोड़े का भी बाढ़ के बाद से कोई पता नहीं चल पाया है।

शिव-पार्वती का स्थायी निवास...बेहद दुर्गम यात्रा

- धार्मिक मान्यता है कि यह शिव और पार्वती का स्थायी निवास है। श्रद्धालु कई दिनों तक करीब 53 किमी का दुर्गम और पथरीला रास्ता पैदल या दंडवत प्रणाम करते हुए तय करते हैं।
- इस पर्वत के शिखर पर चढ़ना पूरी तरह वर्जित है। मानसरोवर झील के पवित्र जल में स्नान को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति का मार्ग माना जाता है। यह बौद्ध, जैन और सिख धर्म के लिए भी समान रूप से पूजनीय है।

वाशिंगटन: 'चुनौतियों के बावजूद मजबूत आर्थिक रफ्तार', सीतारमण ने बताया देश के किसान और परिवार कैसे सुरक्षित

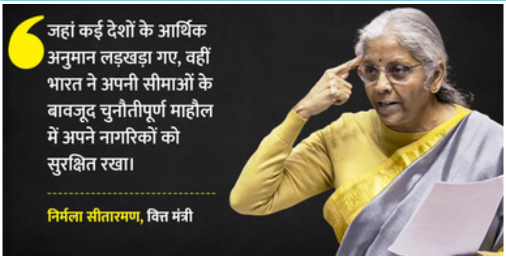

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच भारत की मजबूत 7% प्लस जीडीपी ग्रोथ, वित्तीय अनुशासन और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बड़ा बयान। पूरी रिपोर्ट पढ़ें!वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती साबित करते हुए देश के आम नागरिकों के हितों की रक्षा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिकागो में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने वैश्विक घटनाक्रमों पर लगातार नजर रखने के साथ-साथ अपनी घरेलू आवश्यकताओं को केंद्र में रखा। इसी का परिणाम है कि दुनिया भर के संकटों के बावजूद भारतीय किसान, घरेलू परिवार और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित रहे हैं।वित्त मंत्री ने कहा कि जहां कई देशों के आर्थिक अनुमान लड़खड़ा गए, वहीं भारत ने अपनी सीमाओं के बावजूद चुनौतीपूर्ण माहौल में अपने नागरिकों को सुरक्षित रखा।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कैसे सुरक्षित रही भारतीय अर्थव्यवस्था?
वित्त मंत्री के अनुसार, भारत की सफलता का आधार वैश्विक बदलावों को लगातार ट्रैक करने के साथ-साथ घरेलू जरूरतों को समझना रहा है। इसी नीतिगत सूझबूझ ने देश को बड़े आर्थिक झटकों से बचाए रखा है।

जीडीपी ग्रोथ को लेकर वित्त मंत्री ने क्या दावा किया?
निर्मला सीतारमण बताया कि भारत ने कोविड-19 महामारी के बाद से लगातार सात प्रतिशत से अधिक की जीडीपी ग्रोथ बनाए रखी है, और इस वर्ष भी विकास दर इसी दायरे में रहेगी। यह ग्रोथ कोविड-19, रूस-यूक्रेन युद्ध, टैरिफ अनिश्चितताओं और ईरान-अमेरिका संघर्ष जैसी गंभीर वैश्विक चुनौतियों के बावजूद हासिल की गई है।

बिना समाज कल्याण में कटौती किए कैसे सुधर रही है क्रेडिट रेटिंग?
वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि क्रेडिट रेटिंग में सुधार सामाजिक कल्याण योजनाओं के संसाधनों में कटौती करके नहीं किया जा रहा है। इसके विपरीत, सरकार उचित आर्थिक प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन के बल पर क्रेडिट रेटिंग को बेहतर बना रही है ताकि कल्याणकारी योजनाओं पर कोई आंच न आए।

विकसित भारत @2047' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए क्या है जरूरत?
वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य पर वित्त मंत्री ने कहा कि इस दिशा में सुधारों की गति और पैमाने को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने इसके लिए प्रवासी भारतीयों से तीन क्षेत्रों में समर्थन मांगा: वैश्विक अनुभव रखने वाले प्रतिभाशाली लोग, देश को आगे बढ़ाने के लिए नए विचार और पूंजी निवेश।

सीतारमण जी-20 वित्त मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए अमेरिका के एशविले शहर में
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी-20 वित्त मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए उत्तरी कैरोलिना के एशविले शहर में पहुंचीं, जहां पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों की पृष्ठभूमि में वैश्विक विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। सीतारामन वर्तमान में 29 अगस्त से 2 सितंबर तक चलने वाली छह दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर हैं,

राजकोषीय घाटे और कर्ज को लेकर क्या है सरकार का रोडमैप?
राजकोषीय अनुशासन पर वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक सरकारी उधारी को जीडीपी के 50 प्रतिशत के स्तर पर लाना है। कई विकसित देशों का कर्ज इस समय उनकी जीडीपी के 200 प्रतिशत से अधिक है, जबकि भारत ने अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा किया है। वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को सीमित करने का अंतिम लक्ष्य (लास्ट माइल) हासिल कर लिया गया है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में राजकोषीय अनुशासन के रिकॉर्ड को श्रेय दिया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर क्या है ताजा अपडेट?
वित्त मंत्री ने कहा है कि अमेरिका के साथ बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते पर अंतिम दौर की बातचीत चल रही है, जो द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाई प्रदान करेगा। वित्त मंत्री का यह संबोधन वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। सख्त वित्तीय अनुशासन, लगातार 7% से अधिक की आर्थिक विकास दर और कल्याणकारी योजनाओं के संतुलन ने देश की आर्थिक सुरक्षा और विकसित भारत के संकल्प को मजबूत किया है।

डिजिटल भुगतान के साथ बढ़ी धोखाधड़ी: एक खाते में न रखें सारी जमा पूंजी; कैसे बचाएं अपना पैसा?

डिजिटल भुगतान बढ़ने के साथ यूपीआई फ्रॉड के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। एक ही खाते में बचत और रोजमर्रा के खर्च का पैसा रखना जोखिम बढ़ाता है। ऐसे में अलग खर्च खाता रखना कितना सुरक्षित रहेगा?भारत में डिजिटल क्रांति ने लेनदेन की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जेब में नकदी की जगह अब स्मार्टफोन और क्यूआर कोड ने ले ली है। लेकिन इस अभूतपूर्व सुविधा के साथ एक कड़वी हकीकत यह भी है कि साइबर अपराधियों के लिए हमलों का दायरा पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है।धोखाधड़ी से जुड़े आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को साफ उजागर करते हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से नवंबर के बीच यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के जरिये 805 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के 10.64 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए। ये आंकड़े इस ओर इशारा करते हैं कि चूक तकनीकी से ज्यादा हमारे वित्तीय प्रबंधन और लापरवाही के स्तर पर हो रही है।

खर्च खाता और बचत खाता अलग करना क्यों जरूरी?
आज सबसे बड़ी गलती यह हो रही है कि आम नागरिक एक ही बैंक खाते में सैलरी ले रहा है, उसी में जीवनभर की गाढ़ी कमाई व इमरजेंसी फंड रख रहा है और उसी खाते को यूपीआई से जोड़कर हर जगह भुगतान कर रहा है।डिजिटल युग में वित्तीय सुरक्षा की पहली सीढ़ी है, अपने पैसों के बीच एक मजबूत सुरक्षा दीवार खड़ी करना। यदि आपका मुख्य बचत खाता सीधे यूपीआई से जुड़ा है, तो किसी फिशिंग लिंक, फर्जी कॉल या अनधिकृत ट्रांजैक्शन की स्थिति में पूरा खाता खाली हो सकता है। अगर आप यूपीआई के लिए केवल एक अलग खाता (ट्रांजैक्शन/खर्च खाता) रखते हैं और उसमें केवल 5,000 से 10,000 रुपये का बैलेंस रहता है, तो किसी भी अनहोनी की स्थिति में आपका नुकसान बेहद सीमित रहेगा।
जब एक ही खाते में लाखों रुपये दिखते हैं, तो छोटे-छोटे डिजिटल भुगतानों का एहसास नहीं होता और फिजूलखर्ची बढ़ जाती है। अलग खाते में महीने का निश्चित बजट रखने से बैलेंस खत्म होते ही खर्च की सीमा का तुरंत आभास हो जाता है।ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, बीमा या यूटिलिटी बिलों के ऑटो-डेबिट मैंडेट्स अक्सर मुख्य खाते में दब जाते हैं। खर्च वाले खाते से जुड़े होने पर आप आसानी से ट्रैक कर सकते हैं कि कौन-सा सब्सक्रिप्शन जारी रखना है और किसे बंद करना है।

1. किसी से पैसे लेने के लिए कभी यूपीआई पिन दर्ज नहीं करना पड़ता। पिन केवल पैसे भेजने के लिए इस्तेमाल होता है।
2. बचत खाते को डिजिटल भुगतान एप्स से पूरी तरह दूर रखें।
3. बैंक अधिकारी, पुलिस या कस्टमर केयर बनकर फोन करने वाले किसी भी व्यक्ति को ओटीपी, पासवर्ड या सीवीवी कभी न बताएं।
4. लॉटरी जीतने, कैशबैक मिलने या पुराना सामान खरीदने/बेचने के नाम पर भेजे गए किसी भी अनजान क्यूआर कोड को स्कैन न करें।
5. किसी के कहने पर एनीडेस्क जैसी स्क्रीन-शेयरिंग ऐप्स और व्हाट्सएप पर आई किसी अनजान एपीके फाइल को इंस्टॉल न करें।
6. यूपीआई एप पर पे बटन दबाने से पहले स्क्रीन पर दिख रहे मर्चेंट/प्राप्तकर्ता के नाम और राशि की पुष्टि जरूर करें।
7. बैंकिंग और पेमेंट ऐप्स हमेशा गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर से ही डाउनलोड-अपडेट करें।
8. महीने में एक बार अपनी यूपीआई एप की सेटिंग्स में जाकर ऑटोपे या मैंडेट्स सेक्शन देखें। गैर-जरूरी ऑटो-डेबिट को तुरंत कैंसिल करें।

बैंकिंग में बड़ा बदलाव: एसबीआई समेत कई बैंकों ने बदले नियम, किन सेवाओं पर अब देना होगा ज्यादा शुल्क?

बैंकिंग के नियमों में बदलाव से एसबीआई, एक्सिस, कोटक और इंडसइंड के ग्राहकों पर असर पड़ेगा। कुछ सेवाओं पर शुल्क बढ़े हैं, जबकि मुफ्त लेनदेन की सीमा बदली गई है। आखिर किस बैंक में कौन-सा नया शुल्क लगा है? पढ़िए रिपोर्ट यदि आप यह मानते हैं कि बैंक खाते में पड़ा पैसा सिर्फ आपकी बचत है और उस पर कोई छुपी लागत नहीं है, तो अपनी वित्तीय समझ को अपडेट कर लीजिए। बैंकिंग प्रणाली में फ्री अब कुछ भी नहीं है। सरकारी से लेकर निजी बैंक तक अपने सर्विस चार्ज, नकद निकासी और फंड ट्रांसफर के नियमों को लगातार कड़ा कर रहे हैं।

एसबीआई ने बदले बेसिक खाते के नियम
एसबीआई 1 अक्तूबर, 2026 से अपने बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (BSBD) खातों के नियमों में बड़ा बदलाव कर रहा है। अब तक इन जीरो-बैलेंस खातों में आधार आधारित भुगतान प्रणाली (AePS) के तहत कैश निकासी मुफ्त लेनदेन की मासिक सीमा (4 बार) से बाहर थी।
1 अक्तूबर से ये भी उसी 4 मुफ्त ट्रांजैक्शन में जुड़ेंगे। यानी चाहे आप एटीएम से पैसा निकालें, शाखा जाकर कैश लें या ग्राहक सेवा केंद्र (CSP) पर AePS का उपयोग करें, चार बार के बाद हर अतिरिक्त निकासी पर 15 प्लस जीएसटी चुकाना होगा। हालांकि, राहत की बात यह है कि यूपीआई, एनईएफटी और आरटीजीएस जैसे डिजिटल लेनदेन पूरी तरह मुफ्त बने रहेंगे। एक्सिस बैंक ने अपने क्रेडिट कार्ड पर डायनेमिक करेंसी कन्वर्जन (DCC) मार्कअप को 1.5% से बढ़ाकर 3.5% कर दिया है। इसका असर उन भुगतानों पर पड़ेगा जो भारत में बैठकर विदेशी मर्चेंट्स की वेबसाइट्स पर किए जाते हैं।बैंक ने 50,000 से अधिक के बकाये पर लेट पेमेंट फीस 1,300 रुपये तय की है और टोल, ब्रिज फीस व रोड टैक्स पर मिलने वाले सभी रिवॉर्ड प्वाइंट्स खत्म कर दिए हैं। क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट के सेटलमेंट नियमों को सख्त करते हुए फीस, टैक्स, ईएमआई और ब्याज को एडजस्ट करने का क्रम तय किया है।

अंतराष्ट्रीय लेनदेन पर ज्यादा शुल्क
कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने डेबिट कार्ड से अंतरराष्ट्रीय लेनदेन और डीसीसी ट्रांजैक्शन पर लगने वाले शुल्क को 1% से बढ़ाकर 3.5% कर दिया है। यह चार्ज तब लगता है जब आप विदेश में या विदेशी पोर्टल पर भारतीय करेंसी में भुगतान का विकल्प चुनते हैं।

Gold-Silver Price: सोने की चमक फिर बढ़ी, चांदी 2.5 लाख के पार; तांबा-जिंक समेत इन धातुओं में भी बढ़े दाम

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने ने सोमवार को 4729.70 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छुआ। वहीं घरेलू बाजार एमसीएक्स पर सोने ने 1.43 फीसदी की तेजी के साथ 164,758 रुपये प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ। चांदी में भी लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त जारी रही। सोमवार को यह 3,500 रुपये चढ़कर 2,53,500 रुपये प्रति किलोग्राम के चार महीने से अधिक के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई। कॉमेक्स पर चांदी ने 69.66 डॉलर प्रति औंस का शीर्ष स्तर छुआ।

एल्युमीनियम और जिंक में गजब की तेजी
पिछले दो महीने में तांबा 9.68%, एल्युमीनियम 4.88 फीसदी और जिंक 15.48 फीसदी चढ़ा है। जबकि एक साल में तांबा 54.74 फीसदी, एल्युमीनियम 38.45 फीसदी, लेड 9.24 फीसदी और जिंक 55.46 फीसदी महंगा हुआ है।

Gold-Silver Price: त्योहारों से पहले सोना-चांदी समेत औद्योगिक धातुओं के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। तांबा, एल्युमीनियम, जिंक और लेड महंगे होने से पंखे, एसी, फ्रिज, टीवी, वाहन और घर बनाने की लागत बढ़ सकती है। ऐसे में क्या आने वाले दिनों में आम लोगों की जेब पर महंगाई का बोझ और बढ़ेगा? पढ़िए रिपोर्ट-त्योहारों से ठीक पहले कमोडिटी बाजार में हलचल मची हुई है। कीमती धातुओं और औद्योगिक धातुओं दोनों में एकसाथ तेजी आ रही है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा बॉन्ड बायबैक कार्यक्रम के विस्तार के बाद डॉलर सूचकांक गिरकर 98 के स्तर पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सभी धातुओं की कीमत डॉलर में तय होती है। डॉलर कमजोर होने पर खरीदारों के बीच मेटल्स की मांग बढ़ गई है, जिसका असर कीमतों पर दिखाई दे रहा है। अगर कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो जल्द ही तमाम चीजें महंगी होंगी।

The Bonus Market Update: शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, शुरुआती तेजी के बाद सेंसेक्स और निफ्टी सपाट

भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने गुरुवार को तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और एनवीडिया के मजबूत नतीजों से बाजार को समर्थन मिला। हालांकि, शुरुआती बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिकी और सूचकांक जल्द ही नकारात्मक दायरे में फिसल गए। ऑटो और सीमेंट शेयरों पर दबाव साफ देखा गया।निफ्टी 24,277.60 पर खुला और रिपोर्टिंग के समय 24,194.40 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद स्तर 24,207.75 से 13.35 अंक या 0.06 फीसदी नीचे था। इसी तरह, सेंसेक्स 77,576.76 पर खुला और 77,452.09 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद स्तर 77,472.94 से 20.85 अंक या 0.03 फीसदी नीचे था। अधिकांश व्यापक बाजार सूचकांक सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। हालांकि, क्षेत्रवार निफ्टी ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, सीमेंट और पीएसयू बैंक सूचकांक शुरुआती कारोबार में लाल निशान में थे। कमोडिटी बाजार में ब्रेंट क्रूड करीब 87.39 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर था, जबकि कच्चा तेल करीब 81.82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

एनएसई पर बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, बीईएल, एटरनल, ओएनजीसी, टाटा स्टील, इंफोसिस, रिलायंस, सिप्ला, अदाणी पोर्ट्स और ट्रेंट शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शामिल थे। वहीं, एचडीएफसी बैंक, हिंडाल्को, ग्रासिम, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, कोल इंडिया, टीसीएस और मारुति शीर्ष नुकसान वाले शेयरों में रहे। बीएसई पर टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बीईएल और एटरनल शीर्ष लाभ वाले शेयर थे। एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, हिंडाल्को, टीसीएस, मारुति और इंडिगो शीर्ष नुकसान वाले शेयरों में शामिल थे।बाजार विश्लेषक विपिन डिक्सना के अनुसार, आज की शुरुआत "उत्साहजनक" थी, क्योंकि निफ्टी ने कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और एनवीडिया के मजबूत नतीजों के कारण सकारात्मक रुख के साथ शुरुआत की। उन्होंने कहा कि अब यह देखना होगा कि बाजार इन शुरुआती बढ़त को बनाए रख पाता है या नहीं। डिक्सना ने बताया कि कल की कमजोरी मुख्य रूप से आईटी शेयर और रिलायंस के कारण थी।

पति के साथ कॉन्सर्ट में झूमती नजर आईं प्रियंका चोपड़ा

देवर के साथ गर्लफ्रेंड तातियाना भी पहुंची

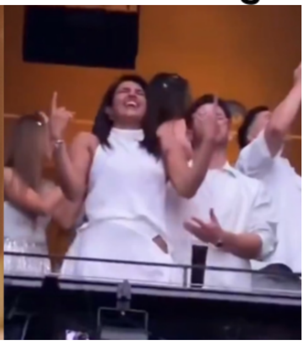

Priyanka Chopra Viral Video: हाल ही में प्रियंका चोपड़ा को 'बैकस्ट्रीट बॉयज' के कॉन्सर्ट में देखा गया। वह यहां अपने परिवार के साथ झूमती हुई नजर आईं। इसके वीडियो वायरल हैं। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। वह इसकी शूटिंग में बिजी हैं। इस बीच वह अपने परिवार और अपने मनोरंजन के लिए भी वक्त निकालती हैं। हाल ही में वह अपने परिवार के साथ 'बैकस्ट्रीट बॉयज' की परफॉर्मेंस देखने पहुंचीं। यहां वह झूमती हुई नजर आईं। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो वायरल हैं। वायरल वीडियो में क्या है?

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक जोनस के साथ हैं। उनके साथ निक जोनस के भाई जो जोनस और उनकी गर्लफ्रेंड तातियाना गैब्रिएल भी हैं।

प्रियंका और निक इस मशहूर वेन्यू पर एक बालकनी में साथ खड़े होकर म्यूजिक का मजा लेते और भीड़ के साथ गाने गाते हुए दिखे। 'बैकस्ट्रीट बॉयज' के गानों पर थिरकते हुए यह कपल काफी जोश में लग रहा था।

प्रियंका और निक ने किया डांस

यह खास पल तब सामने आया जब प्रियंका और निक ने मशहूर गाने 'आई वांट इट दैट वे' पर डांस किया। दोनों इस यादगार परफॉर्मेंस में पूरी तरह खोए हुए लग रहे थे और बाकी भीड़ के साथ इस हिट गाने का मजा ले रहे थे।

- इस दौरान प्रियंका चोपड़ा ने सफेद हॉल्टर-नेक ड्रेस पहनी थी, जबकि निक ने सफेद टी-शर्ट के साथ मैचिंग शर्ट और काली जींस पहनी थी। जो जोनस और तातियाना भी उनके साथ कॉन्सर्ट का मजा लेते हुए दिखे। इस कॉन्सर्ट के कई वीडियो सामने आए हैं। जिसमें फैंस को मजा लेते हुए देखा जा सकता है। यह कॉन्सर्ट जोनस परिवार के लिए एक आउटिंग जैसा बन गया। जब निक और जो 'बैकस्ट्रीट बॉयज' की परफॉर्मेंस देख रहे थे, तब केविन जोनस भी अपने दोस्तों के साथ घूमते हुए दिखे। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों मनोरंजन के साथ अपने काम पर भी खूब ध्यान दे रही हैं।
- वह एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग कर रही हैं।

तुम्हारा साथ मेरे लिए एक तोहफा है

मिलिंद सोमन ने 26 साल छोटी पत्नी अंकिता के जन्मदिन पर लिखा लव नोट

Ankita Konwar Birthday: अभिनेता मिलिंद सोमन और उनकी पत्नी अंकिता के बीच 26 वर्ष का उम्र का फासला है। मगर, दोनों के बीच गजब की बॉन्डिंग है। अंकिता के जन्मदिन पर मिलिंद ने लव नोट शेयर किया है। अभिनेता मिलिंद सोमन और अंकिता की जोड़ी फैंस के बीच काफी चर्चा में रहती है। अपनी फिटनेस के लिए मशहूर मिलिंद सोशल मीडिया पर भी सेहत और वर्कआउट से जुड़े पोस्ट शेयर करते हैं। मगर, हालिया पोस्ट उन्होंने अपनी पत्नी अंकिता के लिए शेयर किया है। मिलिंद ने अंकिता के जन्मदिन पर प्यार लुटाया है।

मिलिंद ने अंकिता के लिए क्या लिखा?

मिलिंद सोमन ने अंकिता के साथ एक खूबसूरत तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि उनके आने से जिंदगी खूबसूरत हो गई है।

सोशल मीडिया पर मिलिंद ने पत्नी के लिए लिखा है, 'मैं अपनी जिंदगी में ढेर सारी चीजों के लिए ईश्वर का शुक्रगुजार हूं। मगर, जब तुम मुझे मिलीं, तो कायनात ने कमाल ही कर दिया। तुम्हारे साथ बिताया हर पल प्यार, खूबसूरती और खुशी का एक तोहफा है। तुम्हारे साथ रहने में जिंदगी खूबसूरत हो गई है और यह सफर मजेदार लगता है। यह बहुत खास है कि हम इतनी सारी चीजें शेयर करते हैं'। बोले- 'तुम जिंदगी में रोशनी हो'

मिलिंद ने आगे लिखा है, 'मैं तुम्हारे लिए वो सब कुछ चाहता हूं, जो तुम अपने लिए चाहती हो। मुझे पता है कि तुम हम दोनों के लिए सबसे समझदारी भरे फैसले करोगी और मैं इस साल तुम्हारे साथ हर नए अनुभव का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। तुम्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। तुम ही तो मेरी जिंदगी में रोशनी लाती हो'। कब हुई मिलिंद और अंकिता की शादी?

बता दें कि अंकिता अपने पति मिलिंद से करीब 26 साल छोटी हैं। मिलिंद की उम्र 60 वर्ष है। वहीं, अंकिता अपने इसी जन्मदिन पर 35 वर्ष की हुई हैं। मिलिंद और अंकिता ने साल 2018 में शादी रचाई थ

मैं एक गौरवान्वित पिता हूं' बेटे अमाल के बचाव में

आए डब्बू मलिक जानिए 'आवारापन 2' विवाद को लेकर क्या कहा?

Daboo Malik Backed Amaal: फिल्म 'आवारापन 2' के गाने 'ये आवारापन' को लेकर अमाल मलिक को ऑनलाइन आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। ऐसे वक्त में डब्बू मलिक ने बेटे का बचाव किया है। म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक को फिल्म 'आवारापन 2' के म्यूजिक को लेकर आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं। आलोचना फिल्म के गाने 'ये आवारापन' को लेकर है। ऑनलाइन नेगेटिविटी को लेकर अमाल का आरोप है कि उनके काम के खिलाफ एक पेड पीआर कैंपेन चलाया गया। इस बीच अमाल के पिता डब्बू मलिक ने भी बेटे का बचाव किया है।

क्या बोले डब्बू मलिक?

डब्बू मलिक ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने खुद को एक गौरवान्वित पिता बताया है। 'ये आवारापन' को लेकर हो रही ऑनलाइन आलोचनाओं पर डब्बू मलिक ने लिखा है, 'मैसेज भेजे गए, कॉल किए गए, नेगेटिविटी फैलाई गई। लोगों ने राय बनाई, लेकिन कभी-कभी मुश्किल हालात के बावजूद जादू हो ही जाता है। 'आवारापन 2' की पूरी टीम को बधाई'।

डब्बू मलिक बोले- 'खुशी से झूम रहा हूं'

डब्बू मलिक ने आगे लिखा है, 'मैं एक प्राउड फादर हूं। एक बेटा, जिसने 'ये आवारापन' को अपने पिता के सफर को समर्पित किया। मैं तो अब खुशी से झूम रहा हूं। फिल्म 'आवारापन 2' के गाने 'ये आवारापन' को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। कई संगीत प्रेमियों ने इस गाने की तुलना साल 2007 में आई मूल फिल्म 'आवारापन' के म्यूजिक से कर दी है। वहीं, इन आलोचनाओं को लेकर अमाल ने रिएक्शन देते हुए इन्हें अपने खिलाफ एक कोर्डिनेटेड कैंपेन बताया।

लंबे समय तक कश्मीर क्यों नहीं गए शाहरुख खान?

भरी सभा में सुनाया भावुक किस्सा दादी से जुड़ा है मामला

Shah Rukh Khan: शाहरुख खान ने बताया है कि वह लंबे समय तक कश्मीर क्यों नहीं गए थे। उन्होंने इस मामले से जुड़ा एक भावुक किस्सा सुनाया है। आइए जानते हैं। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने बारे में एक खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि वह लंबे समय तक कश्मीर क्यों नहीं गए थे। रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का एक पुराना वीडियो क्लिप फिर से वायरल हो रहा है। इसमें सुपरस्टार अपने परिवार की जड़ों के बारे में बात करते हुए दिख रहे हैं। शाहरुख खान शो के होस्ट अमिताभ बच्चन से लंबे समय तक कश्मीर ना जाने की वजह बताते हुए कहा, 'यह बहुत भावुक कहानी है, अमित जी। मेरे पिता की मां कश्मीरी थीं। मेरे पिता ने मुझसे कहा था कि जिंदगी में तीन जगहें जरूर देखना, चाहे मैं रहूं या न रहूं। उन्होंने कहा था कि इस्तांबुल, इटली-रोम और कश्मीर देखना। बाकी दो जगहें मेरे बिना देखना पर कश्मीर मेरे बिना मत देखना

फिर उनका बहुत जल्दी निधन हो गया और मैं दुनिया भर में घूमा लेकिन कभी कश्मीर नहीं गया।' शाहरुख खान ने आगे कहा, 'मुझे कई मौके मिले, कई दोस्तों ने बुलाया और मेरा परिवार भी छुट्टियों पर गया। मगर मैं कभी कश्मीर नहीं गया क्योंकि मेरे पिता ने कहा था, 'मेरे बिना कश्मीर मत जाना, मैं तुम्हें दिखाऊंगा'। फिर अचानक ऐसा हुआ कि यश चोपड़ा ने मुझसे कहा, 'हम कश्मीर में शूटिंग करेंगे'। मैं वहां जाने से इंकार कर देता। किसी राजनीतिक, भौगोलिक या किसी और वजह से नहीं, बल्कि इसलिए क्योंकि एक भावना जुड़ी थी कि मैं कश्मीर अपने पिता के साथ देखूंगा। मगर मुझे लगा कि ऐसा नहीं हो पाएगा। इसलिए सबसे अच्छा यही होगा कि यश जी के साथ कश्मीर जाऊं।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान ने यश चोपड़ा को अपने पिता जैसा माना और साल 2012 में फिल्म 'जब तक है जान' की शूटिंग के लिए पहली बार कश्मीर का सफर किया। यश चोपड़ा ने फिल्म 'जब तक है जान' के निर्देशन के बाद फिल्मों से संन्यास लेने का फैसला किया था। हालांकि, 2012 में इस महान फिल्म निर्माता का निधन हो गया और यह शाहरुख के साथ उनका आखिरी काम साबित हुआ

- फिल्म 'किंग' में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी।
- यह शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान की साथ में पहली फिल्म है।
- इसमें दीपिका पादुकोण अहम किरदार में होंगी।

ब्रेन स्ट्रोक के बाद बदली राहुल रॉय की जिंदगी रोज लेते हैं 8 दवाइयां और छोड़ी ये चीजें एक्टर ने किया खुलासा

Rahul Roy: फिल्म आशिकी से रातोंरात स्टार बने एक्टर राहुल रॉय ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को लेकर खुलकर बात की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। साल 2020 में ब्रेन स्ट्रोक का सामना करने वाले राहुल ने बताया कि उस समय उन्हें खुद नहीं पता था कि वह दोबारा चल या बोल पाएंगे या नहीं। हालांकि, अब एक्टर की हालत पहले से काफी बेहतर है और वह धीरे-धीरे काम पर भी वापसी कर रहे हैं। ब्रेन स्ट्रोक के बाद कैसी है राहुल रॉय की जिंदगी?

राहुल रॉय अब अपने नए प्रोजेक्ट सुपर बादशाह को लेकर चर्चा में हैं। यह कुकू टीवी की सीरीज है, जिसमें वह टीवी एक्टर करणवीर बोहरा के साथ अंडरवर्ल्ड डॉन का किरदार निभा रहे हैं। फ्री प्रेस जर्नल से बातचीत में राहुल ने कहा, 'जब करणवीर बोहरा और माधवी मेरे पास इस रोल के लिए आए तो मैं बहुत खुश हुआ। बस मुझे अपनी स्पीच प्रॉब्लम को लेकर थोड़ी चिंता थी, क्योंकि 2020 में कारगिल में शूटिंग के दौरान मुझे ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। लेकिन करणवीर ने पूरे समय मेरा साथ दिया।' राहुल ने आगे कहा, 'ब्रेन स्ट्रोक के बाद मुझे खुद नहीं पता था कि मैं दोबारा चल या बोल पाऊंगा या नहीं। मैं पहले बहुत ज्यादा स्मोकिंग करता था और नॉन-वेज भी खाता था। लेकिन अब मैं वीगन हो गया हूं। मैंने प्याज, लहसुन और दूध भी छोड़ दिया है और अब ज्यादातर जैन खाना खाता हूं। हर दिन नाश्ते के बाद मैं 8 दवाइयां लेता हूं। लेकिन अब चीजें पहले से काफी बेहतर हैं।' साल 2020 में आशिकी एक्टर राहुल रॉय को कारगिल में फिल्म 'LAC - लिव द बैटल' की शूटिंग के दौरान ब्रेन स्ट्रोक आया था।

इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया था। अस्पताल में उनके ब्रेन और हार्ट की एंजियोग्राफी की गई थी। इस हादसे के बाद राहुल को लंबे समय तक अपनी सेहत और रिकवरी पर ध्यान देना पड़ा। अब वह धीरे-धीरे अपने काम की तरफ वापस लौट रहे हैं।

Aaj ka Rashifal 31 August 2026

मेष और सिंह राशि वालों की चमकेगी किस्मत

Aaj Ka Rashifal 31 August 2026: ग्रह-नक्षत्रों की चाल आज सभी राशियों के जीवन पर अलग-अलग प्रभाव डालेगी। कुछ राशियों को करियर और धन के मामले में लाभ मिल सकता है, तो वहीं कुछ लोगों को रिश्तों और खर्चों को लेकर सावधानी बरतनी होगी।

मेष
आज किस्मत आपके लिए नए दरवाजे खोल सकती है। पैसों से जुड़े फैसले अगर सोच-समझकर लेंगे, तो लाभ के अच्छे मौके मिलेंगे। काम के प्रति आपका उत्साह दूसरों को प्रभावित करेगा। प्रेम जीवन में रोमांस और अपनापन बढ़ेगा, जिससे मन खुश रहेगा। संतान की भावनाओं को समझने की कोशिश करें, इससे रिश्ता और मजबूत होगा। सेहत को नजरअंदाज न करें, छोटी-सी सावधानी भी आज बड़ा फायदा दे सकती है।

वृषभ
आज आपकी बनाई योजनाएं सफलता की ओर ले जा सकती हैं। सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ने से आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। परिवार में शादी या किसी शुभ समाचार की वजह से खुशी का माहौल बन सकता है। यात्रा से जुड़ी कोई महत्वपूर्ण जानकारी भविष्य में आपके लिए काफी काम आ सकती है। बस गुस्से और बेवजह की बहस से खुद को दूर रखें, इससे दिन और बेहतर बना रहेगा।

मिथुन
आज खुद को बेहतर बनाने की इच्छा आपको आगे बढ़ाएगी। घर में कोई खुशखबरी मिल सकती है और माहौल उत्साह से भर सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी सलाह को महत्व मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारी भी आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। पिता की कोई बात आज आपको ऐसी सीख दे सकती है, जो आगे बहुत काम आए। कुल मिलाकर दिन सकारात्मक सोच और नई उम्मीदों से भरा रहेगा।

कर्क
आज सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत हैं। नया वाहन या घर से जुड़ी कोई बड़ी खरीदारी मन को खुशी दे सकती है। किसी जरूरतमंद मित्र की मदद करके आपको भीतर से संतोष मिलेगा। पुराने पैसे या लेन-देन से जुड़ा मामला अचानक सामने आ सकता है, जिसे शांत दिमाग से सुलझाएं। सरकारी काम में थोड़ी देरी हो सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा।

सिंह
आज आपकी मेहनत का शानदार परिणाम सामने आ सकता है। व्यापार और निवेश से लाभ मिलने के अच्छे संकेत हैं। प्रेम जीवन में नजदीकियां और रोमांस बढ़ेगा, जबकि सिंगल लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात संभव है। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मन को शांति मिलेगी। घर में किसी नए शुभ कार्य की शुरुआत भी हो सकती है।

कन्या
आज आपकी मेहनत और लगन आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकती है। नौकरी में आपकी तारीफ होगी और विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई में अच्छे प्रदर्शन के संकेत हैं। हालांकि खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा। रिश्तों में मीठी वाणी और समझदारी कई उलझनों को आसानी से सुलझा सकती है। विरोधियों की गतिविधियों से सावधान रहें, लेकिन अपने फैसलों पर भरोसा बनाए रखें।

तुला
आज समझदारी से लिया गया फैसला आपके आने वाले समय को बेहतर बना सकता है। कारोबार में बनाई गई नई योजनाएं अब लाभ देने की दिशा में बढ़ेंगी। जीवनसाथी के साथ बिताया गया समय रिश्ते में नई गर्माहट और ताजगी लाएगा। गुस्सा और काम को टालने की आदत आज नुकसान कर सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखेंगे तो दिन काफी अच्छा गुजर सकता है।

वृश्चिक
आज धन और सेहत दोनों मामलों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। पुराने विवाद के खत्म होने से मन को राहत मिलेगी और किसी पुराने दोस्त से मुलाकात बीती यादों को फिर से ताजा कर सकती है। परिवार का माहौल भी धीरे-धीरे बेहतर होगा। हालांकि विरोधियों से सतर्क रहें और किसी पर भी बिना सोचे-समझे भरोसा करने से बचें।

धनु
आज सफलता आपके साथ कदम मिलाकर चल सकती है। जिस काम को हाथ में लेंगे, उसमें अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। सम्मान या पुरस्कार मिलने से मन में गर्व और खुशी दोनों आएंगे। कारोबार की पुरानी उलझनें सुलझ सकती हैं और संपत्ति खरीदने का सपना भी पूरा होने की दिशा में बढ़ सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़ा तनाव कम महसूस होगा।

मकर
आज किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने के बजाय हर पहलू पर अच्छी तरह विचार करें। मन में चल रही उलझनों को शांत दिमाग से सुलझाने की कोशिश करें। किसी नए काम की योजना आज भले छोटी लगे, लेकिन आगे चलकर बड़ा लाभ दे सकती है। विवादों से दूरी बनाए रखना आपके लिए बेहतर रहेगा। मनोरंजन या छोटी यात्रा का मौका मिले तो यह मन को तरोताजा कर सकता है।

कुंभ
आज छोटी-छोटी चुनौतियां आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती हैं। कार्यक्षेत्र में सावधान रहें, क्योंकि कोई व्यक्ति आपके खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर सकता है। बढ़ते खर्चों के कारण चिंता हो सकती है, इसलिए बजट पर नजर रखें। अतीत की किसी गलती से मिली सीख आज आपको ज्यादा समझदारी से फैसले लेने में मदद करेगी। सेहत को लेकर भी लापरवाही न करें।

मीन
आज आपकी सकारात्मक सोच और उत्साह हर काम में नई चमक भर सकता है। रुका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कारोबार में बनाई गई लंबी अवधि की योजनाएं अब गति पकड़ सकती हैं। परिवार में अचानक मिलने वाला सरप्राइज या कोई खुशखबरी रिश्तों में और अपनापन बढ़ाएगी। सरकारी कामों में भी सफलता के संकेत हैं, इसलिए प्रयास जारी रखें।

Aaj Ka Love Rashifal

धनु-मकर के प्रेम जीवन में बनेंगे नए समीकरण रिश्ते को मिल सकती है नई दिशा

Today Love Horoscope: 31 अगस्त 2026 का लव राशिफल आपके प्रेम जीवन से जुड़े खास संकेत लेकर आया है। जानिए आज आपकी राशि के अनुसार प्यार, रिश्ते और रोमांस के मामले में दिन कैसा रहेगा। 31 अगस्त 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के लिहाज से कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर आपके प्रेम जीवन, रिश्तों और भावनाओं पर देखने को मिल सकता है। कुछ राशि वालों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी और रिश्ते में प्यार व विश्वास मजबूत होगा, वहीं कुछ लोगों को पार्टनर के साथ छोटी-मोटी गलतफहमियों का सामना करना पड़ सकता है। सिंगल लोगों की भी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होने के संकेत हैं। तो आइए जानते हैं 31 अगस्त का लव राशिफल, मेष से मीन तक सभी राशियों के लिए कैसा रहेगा प्रेम जीवन और किन बातों का रखना होगा खास ध्यान।

मेष
आज पार्टनर अपने प्यार का इजहार किसी खास अंदाज में कर सकते हैं। सिंगल लोगों की मुलाकात ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जो उन्हें अच्छी तरह समझेगा। हालांकि, रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए आपको अपनी कुछ आदतों में बदलाव करना होगा।

मिथुन
रिलेशनशिप में रहने वाले लोग आज पार्टनर की भावनाओं को समझने और उनका सम्मान करने की कोशिश करेंगे। साथ में कोई रोमांटिक फिल्म देखकर क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। सिंगल लोगों के लिए क्रश के साथ लंच या मुलाकात का मौका बन सकता है।

कर्क
आज पार्टनर आपकी इच्छाओं और जरूरतों का पूरा ध्यान रखेंगे। दोनों साथ मिलकर प्यार भरे और खुशनुमा पलों का आनंद लेंगे। वहीं सिंगल लोग पुराने रिश्ते या बीती यादों को लेकर भावुक हो सकते हैं।

सिंह
आज आपकी लव लाइफ में प्यार, भावनात्मक जुड़ाव और एक-दूसरे की परवाह बढ़ेगी। सिंगल लोगों को नए रिश्ते में आगे बढ़ने के लिए समझदारी और भावनात्मक गहराई दिखानी होगी। जल्दबाजी से बचना बेहतर रहेगा।

कन्या
पार्टनर का प्यार भरा अंदाज आज आपके दिल में रोमांस की नई उमंग जगा सकता है। आप दोनों एक-दूसरे के साथ खास पल बिताएंगे। सिंगल लोग बेवजह की बातों में उलझने के बजाय करियर और अपने भविष्य को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।

तुला
पार्टनर का नया अंदाज देखकर आपके बीच रोमांस और आकर्षण बढ़ सकता है। रिलेशनशिप में रहने वाले लोग आज अपनी लव लाइफ को खुलकर एन्जॉय करेंगे। सिंगल लोगों को क्रश की ओर से प्रेम प्रस्ताव मिलने की संभावना है।

वृश्चिक
आज किसी तीसरे व्यक्ति की दखल आपके रिश्ते में गलतफहमी और तनाव पैदा कर सकती है। पार्टनर से खुलकर बात करें और बाहरी लोगों की बातों पर तुरंत विश्वास न करें। सिंगल लोगों को सच्चा प्यार मिलने में अभी थोड़ा और समय लग सकता है।

धनु
आज प्रेम जीवन में सुखद और यादगार पल बिताने का मौका मिलेगा। सिंगल लोगों को महसूस होगा कि उनका क्रश उनकी भावनाओं को समझता है और रिश्ते में भावनात्मक जुड़ाव को महत्व देता है। प्यार को लेकर उम्मीदें मजबूत होंगी।

मकर
पार्टनर के किसी दूसरे व्यक्ति से जुड़े होने की जानकारी आपको भावुक और परेशान कर सकती है। शादी की बात को लेकर लवर कुछ न कुछ बहाना बना सकता है। वहीं सिंगल लोगों को क्रश की मीठी बातें आकर्षित करेंगी और दिल में प्यार की नई उम्मीद जगेगी।

कुंभ
आज पार्टनर रोमांटिक मूड में रहेंगे, लेकिन अपनी कल्पनाओं में भी खोए नजर आ सकते हैं। सिंगल लोगों को किसी नए रिश्ते में अपनापन, स्नेह और भावनात्मक सुरक्षा महसूस हो सकती है। रिश्ते को समय देने से जुड़ाव मजबूत होगा।

मीन
आज सेहत में थोड़ी परेशानी महसूस हो सकती है, लेकिन पार्टनर आपकी खुशी और आराम का पूरा ध्यान रखेंगे। सिंगल लोगों की मुलाकात ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जो प्यार के साथ उनका भावनात्मक रूप से भी साथ दे।

न कोई सिक्योरिटी न तामझाम: ट्रॉली बैग लेकर मेट्रो में दिखे जवागल श्रीनाथ फैंस ने कहा- यही है असली स्टार

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ की बेंगलुरु मेट्रो में सफर करते हुए तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ट्रॉली बैग के साथ आम यात्री की तरह सफर करते श्रीनाथ की सादगी ने क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया। कभी भारतीय तेज गेंदबाजी की अगुआई करने वाले श्रीनाथ अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मैच रेफरी की भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट के कई सितारे मैदान से दूर होने के बाद भी फैंस की नजरों में बने रहते हैं। लेकिन कुछ तस्वीरें ऐसी होती हैं, जो किसी रिकॉर्ड या ट्रॉफी की वजह से नहीं, बल्कि खिलाड़ी की सादगी के कारण चर्चा में आ जाती हैं। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ की बेंगलुरु मेट्रो में सफर करते हुए सामने आई तस्वीर भी कुछ ऐसी ही है। तस्वीर में भारत के पूर्व पेसर हाथ में ट्रॉली बैग लिए बिल्कुल आम यात्री की तरह मेट्रो में सफर करते नजर आ रहे हैं। न कोई तामझाvम दिखाई दे रहा है और न ही उनके आसपास किसी तरह का बड़ा काफिला। यही अंदाज सोशल मीडिया यूजर्स को खासा पसंद आया।

कभी मैदान पर था 'मैसूर एक्सप्रेस' का खौफ

जवागल श्रीनाथ कर्नाटक से आने वाले भारत के सबसे प्रमुख तेज गेंदबाजों में रहे हैं। उन्हें 'मैसूर एक्सप्रेस' के नाम से भी जाना जाता था। उस दौर में जब भारतीय क्रिकेट लगातार विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों की तलाश में था, श्रीनाथ ने लंबे समय तक टीम की पेस अटैक की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने भारत के लिए 67 टेस्ट और 229 वनडे खेले। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी रफ्तार और अनुशासन के दम पर उन्होंने खास पहचान बनाई। लेकिन क्रिकेट से संन्यास लेने के वर्षों बाद उनकी चर्चा किसी गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में उनकी सादगी के कारण हो रही है। वायरल तस्वीर में श्रीनाथ जींस और हल्के नीले रंग की शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। उनके पास एक ट्रॉली बैग रखा हुआ है और वह मेट्रो में सफर कर रहे हैं। तस्वीर को देखने पर पहली नजर में ऐसा बिल्कुल नहीं लगता

उथप्पा को कहां से मिले थे ₹3.2 करोड़?

अचानक मिले पैसों से डिप्रेशन में गए थेबोले- आत्महत्या तक के ख्याल आए

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने खुलासा किया कि 2008 में मिले ₹3.2 करोड़ के पहले आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट ने उन्हें मानसिक रूप से झकझोर दिया था। अचानक मिली बड़ी रकम और उससे जुड़ी उलझनों के बीच वे क्लिनिकल डिप्रेशन में चले गए। उथप्पा ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका में आत्महत्या के विचारों से भी जूझे थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने अपने प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर एक बेहद भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि कैसे साल 2008 में मिले उनके पहले 3.2 करोड़ रुपये के आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट ने उन्हें मानसिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया था। उथप्पा ने कहा, 21-22 साल की उम्र में इतनी बड़ी रकम (3.2 करोड़ रुपये) मिली, जो उनकी कई पीढ़ियों ने भी नहीं कमाई थी। उनके आस-पास कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो इतनी बड़ी रकम को संभालने या निवेश करने की सही सलाह दे सके। अचानक मिले इस पैसे ने उनके रिश्तों और फैसलों को बदल दिया। साल 2009 तक आते-आते वे गंभीर अवसाद (क्लिनिकल डिप्रेशन) के शिकार हो गए। उन्होंने खुलासा किया कि वे साउथ अफ्रीका के एक होटल की 23वीं मंजिल की खिड़की पर बैठकर खुदकुशी करने के विचार से जूझ रहे थे। उस वक्त उनकी करोड़ों की कमाई का कोई मोल नहीं रह गया था। उथप्पा ने आज के युवा एथलीट्स, स्टार्टअप फाउंडर्स और आंत्रप्रेन्योर्स को सीख दी है कि "पैसा कभी आपकी जीत नहीं होता, बल्कि यह आपकी परीक्षा होता है। एजेंसी उथप्पा ने कहा,मुझे मेरा पहला आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट 2008 में मिला था। मैं सिर्फ 21 साल का था। मैंने कभी सपने में भी इतने पैसों की उम्मीद नहीं की थी। 30 साल की उम्र में भी नहीं, 40 में भी नहीं।

Pakistan: इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू से क्यों मचा बवाल? सरफराज ने पाकिस्तान बोर्ड के विवाद से किया किनारा

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान इमरान खान के बेटों के स्काई स्पोर्ट्स इंटरव्यू को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि PCB ने इंटरव्यू प्रसारित होने पर टेस्ट और इंग्लैंड दौरा रोकने की चेतावनी दी थी। हालांकि पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने कहा कि उन्हें और खिलाड़ियों को इस विवाद की कोई जानकारी नहीं थी और उनका पूरा ध्यान मैच पर था। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान इमरान खान के बेटों के स्काई स्पोर्ट्स इंटरव्यू को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि पीसीबी ने इंटरव्यू प्रसारित होने पर टेस्ट और इंग्लैंड दौरा रोकने की चेतावनी दी थी। हालांकि, पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने कहा कि उन्हें और खिलाड़ियों को इस विवाद की कोई जानकारी नहीं थी और उनका पूरा ध्यान मैच पर था। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट सिर्फ मैदान पर चल रहे मुकाबले के कारण चर्चा में नहीं है। टेस्ट के पहले दिन लंच ब्रेक के दौरान एक इंटरव्यू ने क्रिकेट से इतर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। स्काई स्पोर्ट्स पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथर्टन ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों कासिम और सुलेमान खान से बातचीत की। इस इंटरव्यू में दोनों ने अपने पिता की सेहत, जेल में उनके इलाज और सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने ब्रिटेन सरकार की प्रतिक्रिया पर भी सवाल उठाए। इंटरव्यू प्रसारित होने से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से कथित तौर पर आपत्ति जताई गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने स्काई स्पोर्ट्स से इसे प्रसारित नहीं करने को कहा था। यहां तक कि इंटरव्यू प्रसारित होने पर लॉर्ड्स टेस्ट रद्द करने और तीन मैचों की सीरीज से हटने की संभावना भी जताए जाने की बात सामने आई। हालांकि, अंततः स्काई स्पोर्ट्स ने इंटरव्यू प्रसारित किया और पाकिस्तान की टीम लंच के बाद मैदान पर वापस लौट आई।

सरफराज ने कहा- मुझे कुछ नहीं पता

दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे। उनसे पीसीबी और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) के बीच हुए कथित विवाद और खिलाड़ियों के मैदान पर नहीं उतरने की खबरों को लेकर सवाल किया गया। सरफराज ने इस पूरे मामले से अनजान होने की बात कही। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ नहीं पता। मैं सिर्फ मैच पर ध्यान दे रहा हूं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह स्काई स्पोर्ट्स पर प्रसारित इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू की बात कर रहे हैं, तो सरफराज ने कहा, 'आप इंटरव्यू की बात कर रहे हैं? हमें इंटरव्यू के बारे में कुछ नहीं पता।' इसके बाद उनसे पूछा गया कि क्या पहले दिन लंच के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ियों के मैदान पर वापस नहीं लौटने की कोई संभावना थी। इस पर भी उन्होंने साफ इनकार किया। सरफराज ने कहा, 'सब ठीक है। उस समय हम लंच कर रहे थे।' इंटरव्यू से जुड़े विवाद पर सवालों के दौरान सरफराज काफी असहज नजर आए। जब उनसे पूछा गया कि क्या खिलाड़ियों को दूसरे सत्र में मैदान पर नहीं उतरने की संभावना के बारे में बताया गया था, तो उन्होंने सवाल पूरा होने से पहले ही इनकार करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'नहीं, नहीं, नहीं, नहीं।'

मैदान पर वापसी: अनाया बांगड़ ने कहा- अब ऑस्ट्रेलिया में एलीट क्रिकेट खेल सकती हूं डब्ल्यूबीबीएल पर भी की बात

अनाया बांगड़ ने कहा है कि वह मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने के लिए पात्र हैं और डब्ल्यूबीबीएल में जगह बनाने का लक्ष्य रखती हैं। उन्होंने कहा कि अब उनका फोकस फिटनेस, स्किल्स और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर खुद को डब्ल्यूबीबीएल फ्रेंचाइजी के सामने साबित करने पर है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ ने दावा किया है कि अब वह मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने के लिए पात्र हैं। अगर वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर अपने प्रदर्शन से प्रभावित करती हैं, तो उनके लिए विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में खेलने का रास्ता भी खुल सकता है। अनाया ने कहा कि क्रिकेट में वापसी की संभावना उनके लिए बेहद भावुक पल है। ट्रांजिशन के बाद उन्हें क्रिकेट से दूर होना पड़ा था और एक समय उन्हें लगा था कि उनका क्रिकेट करियर खत्म हो गया है।

मुझे लगा था कि मैंने क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया'

बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में अनाया ने कहा कि क्रिकेट बचपन से ही उनकी पहचान का अहम हिस्सा रहा है। ऐसे में दोबारा मैदान पर उतरने की संभावना उनके लिए सिर्फ किसी महिला लीग में खेलने का मौका नहीं, बल्कि अपने पसंदीदा खेल में लौटने का अवसर है। उन्होंने कहा, 'मैं अब मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश लीग खेलने के लिए पात्र हूं। मेरे लिए यह बेहद भावुक पल है, क्योंकि एक समय मुझे सच में लगा था कि मैंने क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया है।' अनाया के मुताबिक, ट्रांजिशन के बाद क्रिकेट से दूर होना उनके जीवन के सबसे कठिन अनुभवों में से एक था। अब उनका लक्ष्य प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर खुद को एक बार फिर साबित करना है।

- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नीति से खुला रास्ताऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की ट्रांसजेंडर और जेंडर-डाइवर्स खिलाड़ियों को लेकर समावेशी नीति है।
- इसकी गाइडलाइंस में कम्युनिटी क्रिकेट और एलीट क्रिकेट के बीच अंतर किया गया है और डब्ल्यूबीबीएल को एलीट प्रतियोगिता के तौर पर वर्गीकृत किया गया है।
- अनाया का कहना है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने की दिशा में आगे बढ़ने की अनुमति दी है।
- हालांकि, डब्ल्यूबीबीएल में जगह मिलना अभी तय नहीं है।
- उन्होंने कहा कि उनका अगला लक्ष्य खुद को शारीरिक और प्रतिस्पर्धात्मक रूप से मजबूत बनाना है, ताकि किसी डब्ल्यूबीबीएल फ्रेंचाइजी की नजर में वह चयन की दावेदार बन सकें। सिर्फ पात्रता से नहीं मिलेगी डब्ल्यूबीबीएल में जगहडब्ल्यूबीबीएल में विदेशी खिलाड़ियों के लिए कॉन्ट्रैक्टिंग और ड्राफ्ट की व्यवस्था है।
- ऐसे में अनाया के लिए पात्र होना पहला कदम है, लेकिन असली चुनौती मैदान पर प्रदर्शन करके किसी फ्रेंचाइजी को प्रभावित करना होगी

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।

आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।

– सम्पादक

R.N.I. No. UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक निर्भय कुमार सेंगर के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर, बी-9, गायत्री भवन, विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास, रामघाट रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300